अनुबंध 3

परिचालन जोखिम के लिए प्रकटीकरण आवश्यकताएँ

टेम्प्लेट ओआरए : **बैंक के परिचालन जोखिम रूपरेखा पर सामान्य गुणात्मक जानकारी**[15]

प्रकटीकरण की आवृत्ति- वार्षिक

बैंक निम्नलिखित को दर्शाएँगे :

1. परिचालन जोखिम के प्रबंधन के लिए उनकी नीतियां, रूपरेखा और दिशानिर्देश।

2. उनके परिचालन जोखिम प्रबंधन और नियंत्रण कार्य की संरचना और संगठन।

3. उनकी परिचालन जोखिम मापन प्रणाली (यानी परिचालन जोखिम पूंजी शुल्क का अनुमान लगाने के लिए परिचालन जोखिम को मापने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रणाली और डेटा)।

4. कार्यपालक प्रबंधन और निदेशक बोर्ड को बैंको की परिचालन जोखिम के लिए रिपोर्टिंग रूपरेखा का दायरा और मुख्य संदर्भ।

5. परिचालन जोखिम के प्रबंधन में उपयोग किया जाने वाला जोखिम न्यूनीकरण और जोखिम हस्तांतरण। इसमें नीति द्वारा न्यूनीकरण (जैसे जोखिम प्रणाली**,** जोखिम क्षमता और आउटसोर्सिंग पर नीतियां), उच्च जोखिम वाले कारोबारों से विनिवेश और नियंत्रण की स्थापना शामिल है। शेष एक्सपोज़र को बैंक द्वारा अवशोषित किया जा सकता है या स्थानांतरित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, परिचालन हानि के प्रभाव को बीमा से कम किया जा सकता है।

[15] इन निर्देशों के भाग बी का संदर्भ लें।

टेम्पलेट ओआर 1[16]: ऐतिहासिक हानियां

प्रकटीकरण की आवृत्ति: वार्षिक

हानि डेटा एकत्र करने के लिए न्यूनतम सीमा: ₹1,00,000

बैंकों से अपेक्षा की जाती है कि वे पिछले प्रकटीकरण के बाद से नए हानि बहिष्करणों के लिए समग्र हानि आकलन को समझाते हुए विवरणात्मक टिप्पणी के साथ टेम्पलेट को अनुपूरित करें। बैंकों को समग्र रूप में ऐसी किसी भी अन्य महत्वपूर्ण जानकारी का प्रकटीकरण करना चाहिए, जो उपयोगकर्ताओं को उनके पहले से चली आ रही हानियों और उसकी वसूली के बारे में जानकारी प्रदान करे। इसमें ऐसी जानकारी शामिल नहीं होगी जो गोपनीय और स्वामित्व हो जिसमें विधिक रिज़र्व के बारे में जानकारी शामिल है।

(राशि ₹ करोड़ में)

		a	b	c	d	e	f	g	h	i	j	k
		टी	**टी - 1**	**टी – 2**	**टी – 3**	**टी - 4**	**टी - 5**	**टी - 6**	**टी - 7**	**टी - 8**	**टी - 9**	**दस साल का औसत**
1	परिचालन हानि की कुल राशि, वसूलियों को घटाकर (कोई अपवर्जन नहीं)											
2	परिचालन जोखिम हानियों की कुल संख्या											
3	अपवर्जित परिचालन जोखिम हानियों की कुल राशि											
4	अपवर्जन की कुल संख्या											
5	परिचालन हानियों की कुल राशि, वसूलियों को											

[16] बकेट (श्रेणी) 1 में बैंकों के लिए अनिवार्य नहीं है।

	घटाकर और अपवर्जित हानियों को घटाकर											

कॉलम ए से जे के लिए, टी वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत को दर्शाता है, टी-1 पिछले वर्ष के अंत आदि को दर्शाता है, उदाहरण के लिए, यदि टी वित्तवर्ष 2021-22 को दर्शाता है, तथा टी-9 वित्तवर्ष 2012-13 को दर्शाता है। कॉलम (के) औसत वार्षिक हानि को दर्शाता है।

हानि की राशि और संबंधित वसूलियाँ उस वर्ष में रिपोर्ट की जानी चाहिए जिसमें उन्हें वित्तीय विवरणों में दर्ज किया गया था।

टेम्प्लेट ओआर 2: कारोबार संकेतक (बिजनेस इंडिकेटर)और उपघटक

प्रकटीकरण की आवृत्ति: त्रैमासिक

(राशि ₹ करोड़ में)

		ए	**बी**	**सी**
	कारोबार संकेतक **(**बीआई**)** एवं उसके उपघटक	**T**	**T-1**	**T-2**
1	ब्याज,लीज एवं लाभांश घटक			
1a	ब्याज एवं लीज़ आय			
1b	ब्याज एवं लीज़ खर्च			
1c	ब्याज अर्जक आस्तियां			
1d	लाभांश आय			
2	सेवा घटक			
2a	शुल्क एवं कमीशन आय			
2b	शुल्क एवं कमीशन खर्च			
2c	अन्य परिचालन आय			
2d	अन्य परिचालन खर्च			
3	वित्तघटक			
3a	ट्रेडिंग बही में निवल लाभ एवं हानि			
3b	बैंकिंग बही में निवल लाभ एवं हानि			
4	कारोबार संकेतक			
5	कारोबार संकेतक घटक(बीआई)			

बीआई पर प्रकटीकरण

6ए	अपवर्जित विनिवेशित गतिविधियों का बीआई सकल	
6बी	अपवर्जित विनिवेश गतिविधियों के कारण बीआई में कमी	

ओआरसी परिकलन में विचार किए गए बीआई घटक (i) रोलिंग तिमाही के आधार पर, और (ii) वित्तवर्ष के आधार पर परिकलन किए गए घटकों में से जो अधिक है, वह होना चाहिए। विवरण के लिए, फ़ुटनोट संख्या 4, भाग ए देखें।

टेम्प्लेट ओआर3: न्यूनतम आवश्यक परिचालन जोखिम पूंजी

प्रकटीकरण की आवृत्ति: त्रैमासिक

(राशि ₹ करोड़ में)

1	कारोबार सूचक घटक(बीआईसी)	
2	आंतरिक हानि गुणक (आईएलएम)	
3	न्यूनतम आवश्यक परिचालन जोखिम पूंजी (ओआरसी)	
4	परिचालन जोखिम आरडब्ल्यूए	